>

Title: Need to provide protection to crops against damage caused by wild animals in Buxar Parliamentary Constituency, Bihar.

श्री जगदानंद सिंह (बक्सर): बिहार प्रदेश का बक्सर जिला एक कृषि प्रधान इलाका है। किसानों के अनाज, सब्जी, फल के उत्पादन का बड़े पैमाने पर इंतजाम किया है। विपरीत परिस्थिति, बाढ़ एवं सूखाड़ झेलना उनकी नियति बन चुकी है। गंगा के किनारे दियारा इलाके के किसान प्रकृति के प्रकोप को सहते हुए जीवन यापन के लिए संघÂाऩरत रहकर परिवार की परवरिश करते रहे हैं।

किसानों को अब एक बड़ी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। जंगली जीव नीलगाय तथा हिरण की बढ़ती आबादी ने खेती पर खतरा पैदा कर दिया है। खेती में लगी फसल तथा बागवानी को ये वन्यप्राणी समाप्त कर देते हैं। किसानों को फसल की बर्बादी अब असह्य हो चुकी है इसलिए किसान या तो खेती बंद कर रहे हैं या खेती की सुरक्षा में इतना व्यय करते हैं कि खेती अलाभकर होती जा रही है।

नीलगाय का प्रकोप गत् 30 वÂाोंं से झेलते हुए किसान किंकर्तव्यविमूढ़ होकर स्थानीय प्रशासन से लेकर सरकार के स्तर तक लगातार अपनी बात उठाते रहे है मगर समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है क्योंकि वन्यजीव प्राणियों के खिलाफ कोइ भी कारवाई नियम विरूद्ध मानी जाती है।

बक्सर का दियारा इलाका वन का क्षेत्र नहीं है। ऐसी हालात में वन विभाग का कर्तव्य बनता है कि वन्यजीव प्राणी को संभलने का कार्य करें अर्थात् इन्हें खेतों को नुकसान करने से रोकने के लिए अन्यत्र स्थानांतरित करें या किसानों को हो रहे नुकसान का भरपाई करें। हर हालत में किसानों के फसल की रक्षा करना तथा क्षति होने पर भरपाई करना सरकार के कर्तव्य का हिस्सा है क्योंकि क्षति वन्यजीव प्राणियों के वन के बाहर विचरण का परिणाम है। अतः मैं सरकार से मांग करता हूं कि इस भयानक समस्या से कृÂि एवं किसानों की रक्षा करे।